CSIR-CBRI, Roorkee in Newspapers

Teachers of Kendriya Vidyalya from 6 Regions (Dehradun, Lucknow, Jaipur, Bhopal, Chandigarh and Jammu) Visited CSIR-CBRI, Roorkee & Exposed to Laboratories under JIGYASA Programme. CBRI Scientists Delivered Lectures. Dr. N. Gopalakrishnan, Director, CBRI Graced as Chief Guest, the Valedictory Function for In-Service Course for PGT (Physics) at KV 1, Roorkee

Amar Ujala

Dated: 29-05-2018 Page: 4

E-link: ://epaper.amarujala.com/2018/05/29/rr/06/06.

भौतिक विज्ञान के शिक्षकों ने जानी विज्ञान की बारीकियां

अमर उजाला ब्यूरो

रुड़की।

सीबीआरआई रुड़की में जिज्ञासा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न केंद्रीय विद्यालय के छात्रों को विज्ञान के बारे में बताया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं जिज्ञासा कार्यक्रम के समन्वयक डा. अतुल कुमार अग्रवाल ने केंद्रीय औद्योगिक अनुसंधान संस्थान और केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों के जानकारी दी। उन्होंने कहा कि खाद्य से खनन तक, भवन निर्माण से भू-

रुड़की स्थित सीबीआरआई में आयोजित जिज्ञासा कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों को जानकारी देते वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा.अतुल कुमार अग्रवाल।

जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालय में हुआ इन सर्विस कोर्स

विज्ञान तक, स्वास्थ्य, रसायन एवं ऊर्जा आदि जीवन के हर क्षेत्र के उत्थान में सीएसआईआर ने अपना योगदान दिया है। इसी दिशा में जीवन के तीन मूलभूत आवश्यकताओं में से एक आवास के क्षेत्र में सीबीआरआई नित नवीन तकनीकों का विकास करने में अग्रसर है। इस दौरान युवाओं में वैज्ञानिक चेतना जागृत करने के लिए आरंभ किए गए जिज्ञासा कार्यक्रम के विषय में भी बताया। इस दौरान सीएसआईआर सिंफर धनबाद के रुड़की स्थानीय केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरडी द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि सुरंग मंजिल तक की दूरी कम कर, ईंधन और कार्बन उत्सर्जन कम करती है। उन्होंने विभिन्न प्रकार की सुरंगों, उनके निर्माण में उपयुक्त तकनीकों और उपकरणों तथा निर्माण एवं सुरक्षा प्रकरणों के बारे में जानकारी दी। इस दौरान मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस. सरकार, ताबिश आलम ने भी व्याख्यान प्रस्तुत किया। संस्थान निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन शिक्षकों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय देहरादून, जम्मू, लखनऊ, भोपाल, चंडीगढ़ तथा जयपुर क्षेत्र के लगभग 40 से अधिक भौतिक विज्ञान के स्नातकोत्तर शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. आभा मित्तल, डॉ. इंदर त्यागी, दिलशाद, पलक गोयल आदि मौजूद रहे।

Dainik Jagran

Dated: 29-05-2018 Page: 6

E-link: ://epaper.jagran.com/epaperimages/29052018/dehradun/28hrp-pg6-0.

वैज्ञानिक सोच अपनाने पर जोर

सीबीआरआइ में जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत इन-सर्विस कोर्स का किया आयोजन

जागरण संवाददाता, रुड़की : केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में सोमवार को जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालय की ओर से इन-सर्विस कोर्स का आयोजन किया गया। इसमें स्नातकोत्तर शिक्षकों का ज्ञानवर्द्धन किया गया।

सीबीआरआइ के निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन ने शिक्षकों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही जिज्ञासा कार्यक्रम का अधिकाधिक लाभ लेने की बात कही। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं जिज्ञासा कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने एक वैज्ञानिक यात्रा विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए शिक्षकों को संस्थान के इतिहास और उपलब्धियों के बारे में बताया। कहा कि खाद्य से खनन तक, भवन निर्माण से भू-विज्ञान तक, स्वास्थ्य, रसायन, ऊर्जा आदि जीवन के हर पहलू और प्रत्येक क्षेत्र के उत्थान में सीएसआइआर ने योगदान दिया है। बताया कि संस्थान प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में तीस लाख आवास के निर्माण के लिए तकनीकी सहायता एवं नवीन ग्रामीण आवास तकनीकियां प्रदान कर रहा है। साथ ही उन्होंने युवाओं में वैज्ञानिक चेतना जगाने के लिए आयोजित जिज्ञासा कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी।

सीबीआरआइ रुड़की में जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत आयोजित इन-सर्विस कोर्स में शिक्षकों को जानकारी देते वैज्ञानिक ● जागरण

सीएसआइआर-सिम्फर धनबाद के रुड़की स्थानीय केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरडी द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विभिन्न प्रकार की सुरंगों, उनके निर्माण में उपयुक्त तकनीकों एवं उपकरणों और निर्माण एवं सुरक्षा प्रकरणों के बारे में जागरूक किया। उन्होंने हाल ही में उद्घाटन की गई भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग जम्मू-कश्मीर स्थित चेनानी-नाशरी सुरंग के बारे में जानकारी दी। सीबीआरआइ के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस सरकार ने आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन और वैज्ञानिक ताबिश आलम ने सौर एवं उष्ण ऊर्जा संग्राहक विषय पर व्याख्यान दिया। इसमें केंद्रीय विद्यालय देहरादून, जम्मू, लखनऊ, भोपाल, चंडीगढ़ और जयपुर क्षेत्र के करीब 40 से अधिक भौतिक विज्ञान के स्नातकोत्तर शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

Hindustan

Dated: 29-05-2018 Page: 8

E-link: ://epaper.livehindustan.com/epaperimages/29052018/29052018-RRK-DDN-10.

आवास के क्षेत्र में सीबीआरआई के पास तकनीक

रुड़की | हमारे संवाददाता

सीएसआईआर- केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालय की ओर से आयोजित इन सर्विस कोर्स में प्रतिभागित करते स्नातकोत्तर शिक्षकों का ज्ञानवर्धन किया।

सीएसआईआर एक वैज्ञानिक यात्रा विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समंवयक डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने शिक्षकों को सीबीआरआई के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि वनस्पति से वांतरिक्ष तक, खाद्य से खनन तक, भवन निर्माण से भू-विज्ञान, स्वास्थ्य, रसायन, ऊर्जा आदि जीवन के हर पहलू हर क्षेत्र के उत्थान में सीएसआईआर ने अपना योगदान दिया है। इसी दिशा में जीवन के तीन मूलभूत आवश्यकताओं में से एक आवास के क्षेत्र में सीबीआरआई नित नवीन तकनीकों का विकास करने में अग्रसर है। इसी कड़ी में युवाओं में वैज्ञानिक चेतना जागृत करने के लिए शुरू किये गए जिज्ञासा कार्यक्रम के विषय में भी विस्तारपूर्वक बताया। इस दौरान वैज्ञानिक डॉ. आरडी द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि सुरंग मंजिल तक की दूरी काम कर, ईंधन और कार्बन उत्सर्जन काम करती है तथा मौसम और आपदाओं के कारण उत्पन्न पथ अपक्षय तथा अवरोधों से बचाती है। उन्होंने भारत की सबसे लम्बी सड़क सुरंग जम्मू-कश्मीर स्थित चेनानी, नाशरी सुरंग के विषय में विस्तृत जानकारी दी। सीबीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस सरकार ने आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्राकृतिक आपदाओं और सीबीआरआई द्वारा विकसित आपदा पीड़ितों के लिए त्वरित आश्रयों के विषय में जानकारी दी।

व्याख्यान

- सीएसआईआर एक वैज्ञानिक यात्रा विषय पर दिया व्याख्यान
- डॉ. आरडी द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी पर प्रकाश डाला

Rashtriya Sahara

Dated: 29-05-2018 Page: 4

रुड़की : सीबीआरआई में आयोजित कार्यशाला में वैज्ञानिक उपलब्धियों से रुबरू होते केवी के शिक्षक।

शिक्षकों ने जानी विज्ञान की उपलब्धियां

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

रुड़की।

सीबीआरआई के वैज्ञानिकों ने जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय द्वारा आयोजित इन-सर्विस कोर्स में प्रतिभागिता करते स्नातकोत्तर शिक्षकों का ज्ञानवर्धन किया। सीबीआरआई के वैज्ञानिकों ने व्याख्यान दिये और विज्ञान क्षेत्र में सीएसआईआर और सीबीआरआई की नवीनतम तकनीकों से रूबरू कराया।

'सीएसआईआर और सीबीआरआई एक वैज्ञानिक यात्रा' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं जिज्ञासा कार्यक्रम समन्वयक डा. अतुल कुमार अग्रवाल ने शिक्षकों को सीएसआईआर और सीबीआरआई के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि वनस्पति से वांतरिक्ष तक, खाद्य से खनन तक, भवन निर्माण से भू-विज्ञान तक, स्वास्थ्य, रसायन, ऊर्जा आदि जीवन के हर पहलु, हर क्षेत्र के उत्थान में सीएसआईआर ने अपना योगदान दिया है। इसी दिशा में जीवन के तीन मूलभूत आवश्यकताओं मैं से एक आवास के क्षेत्र में सीबीआरआई नवीन तकनीकों का विकास करने में अग्रसर है। इसीलिए संस्थान प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में तीस लाख आवास निर्माण हेतु तकनीकी सहायता एवं नवीन ग्रामीण आवास तकनीकियां प्रदान कर रहा है।

सीबीआरआई में कार्याशला आयोजित

सीएसआईआर-सिम्फर धनबाद के रुड़की स्थानीय केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरडी द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सीबीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस. सरकार ने आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्राकृतिक आपदाओं और सीबीआरआई द्वारा विकसित आपदा पीड़ितों के लिए त्वरित आश्रयों के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। सीबीआरआई के वैज्ञानिक ताबिश आलम ने सौर एवं उष्ण ऊर्जा संग्राहक विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बिजली उत्पन्न करने में इनके महत्त्व के बारे में बताया।

डॉ. एन. गोपालकृष्णन निदेशक सीबीआरआई ने शिक्षकों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सभी प्रतिभागियों ने सीबीआरआई की समृद्ध प्रयोगशालाओं, रूरल पार्क, अग्नि अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान प्रौद्योगिकी, भवन दक्षता आदि का दौरा किया। संस्थान के वैज्ञानिकों से वार्तालाप द्वारा अपने संश्यों को दूर किया। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय देहरादून, जम्मू, लखनऊ, भोपाल, चंडीगढ़, तथा जयपुर क्षेत्र के करीब 40 से अधिक भौतिक विज्ञान के स्नातकोत्तर शिक्षक़ों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. आभा मित्तल, डॉ. इन्दर त्यागी, दिलशाद, पलक गोयल आदि रहे।

Aaj

Dated: 29-05-2018 Page: 4

जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षकों ने जाना वैज्ञानिक चमत्कार

रुड़की। सीबीआरआई के वैज्ञानिकों ने जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय द्वारा आयोजित इन-सर्विस कोर्स में प्रतिभागिता करते स्नातकोत्तर शिक्षकों का ज्ञानवर्धन किया। इस श्रृंखला में सीबीआरआई, रुड़की के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने विषय-विशेष में व्याख्यान प्रस्तुत किये तथा विज्ञान क्षेत्र में सीएसआईआर और सीबीआरआई की नवीनतम तकनीकियों से भी रूबरू कराया। सीएसआईआर और सीबीआरआई एक वैज्ञानिक यात्रा विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं जिज्ञासा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने शिक्षकों को सीएसआईआर और सीबीआरआई के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि वनस्पति से वांतरिक्ष तक, खाद्य से खनन तक, भवन निर्माण से भू-विज्ञान तक, स्वास्थ्य, रसायन, ऊर्जा आदि जीवन के हर पहलु, हर क्षेत्र के उत्थान में सीएसआईआर ने अपना योगदान दिया है। इसी दिशा में जीवन के तीन मूलभूत आवश्यकताओं में से एक आवास के क्षेत्र में सीबीआरआई नित नवीन तकनीकों का विकास करने में अग्रसर है। इसीलिए संस्थान प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में तीस लाख आवास निर्माण हेतु तकनीकी सहायता एवं नवीन ग्रामीण आवास तकनीकियां प्रदान कर रहा है। सीबीआरआई के वैज्ञानिक ताबिश आलम ने सौर एवं उष्ण ऊर्जा संग्राहक पर विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बिजली उत्पन्न करने में इनके महत्त्व के बारे में बताया। डॉ. एन. गोपालकृष्णन, निदेशक, सीबीआरआई ने शिक्षकों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सभी प्रतिभागियों ने सीबीआरआई की समृद्ध प्रयोगशालाओं- रूरल पार्क, अग्नि अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान प्रौद्योगी, भवन दक्षता आदि का दौरा किया तथा संस्थान के वैज्ञानिकों से वार्तालाप द्वारा अपने संश्यों को दूर किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय देहरादून, जम्मू, लखनऊ, भोपाल, चंडीगढ़, तथा जयपुर क्षेत्र के लगभग 40 से अधिक भौतिक विज्ञान के स्नातकोत्तर शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। इस अवसर पर डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. आभा मित्तल, डॉ. इन्दर त्यागी, दिलशाद, पलक गोयल आदि मौजूद रहे।

Awam-e-Hind

Dated: 29-05-2018 Page: 2

E-link: ://www.awamehind.com/news/index.php/awam-e-hind-e-paper?view=page&tmpl=component&layout=detail&id=18502&cid=4&eid=1&dt=2018-05-

सीबीआरआई में छः मंडलों के शिक्षकों ने जाना वैज्ञानिक चमत्कार

अ.हि.ब्यूरो, रुड़की। सीबीआरआई के वैज्ञानिकों ने जिज्ञासा कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय द्वारा आयोजित इन-सर्विस कोर्स में प्रतिभागिता करते स्नातकोत्तर शिक्षकों का ज्ञानवर्धन किया। इस श्रृंखला में सीबीआरआई, रुड़की के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने विषय-विशेष में व्याख्यान प्रस्तुत किये तथा विज्ञान क्षेत्र में सीएसआईआर और सीबीआरआई की नवीनतम तकनीकियों से भी रूबरू कराया।

सीएसआईआर और सीबीआरआई एक वैज्ञानिक यात्रा विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं जिज्ञासा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने शिक्षकों को सीएसआईआर और सीबीआरआई के गौरवशाली इतिहास और उपलब्धियों के विषय में बताया। उन्होंने कहा कि वनस्पति से वांतरिक्ष तक, खाद्य से खनन तक, भवन निर्माण से भू-विज्ञान तक, स्वास्थ्य, रसायन, ऊर्जा आदि जीवन के हर पहलु, हर क्षेत्र के उत्थान में सीएसआईआर ने अपना योगदान दिया है। इसी दिशा में जीवन के तीन मूलभूत आवश्यकताओं में से एक आवास के क्षेत्र में सीबीआरआई नित नवीन तकनीकों का विकास करने में अग्रसर है। इसीलिए संस्थान प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत अगले पांच वर्षों में तीस लाख आवास निर्माण हेतु तकनीकी सहायता एवं नवीन ग्रामीण आवास तकनीकियां प्रदान कर रहा है। सीएसआईआर-सिम्फर धनबाद के रुड़की स्थानीय केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर. डी. द्विवेदी ने ÷सुरंग अभियांत्रिकी÷ विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सीबीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस. सरकार ने ÷आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन÷ विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्राकृतिक आपदाओं और सीबीआरआई द्वारा विकसित आपदा पीड़ितों के लिए त्वरित आश्रयों के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की। सीबीआरआई के वैज्ञानिक ताबिश आलम ने सौर एवं उष्ण ऊर्जा संग्राहक विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बिजली उत्पन्न करने में इनके महत्त्व के बारे में बताया।

Badri Vishal

Dated: 29-05-2018

सीबीआरआई में तकनीकियों से रुबरू हुये शिक्षक: अग्रवाल

छः मण्डलों के स्नातकोत्तर शिक्षकों ने जाना विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिक चमत्कार

रुड़की बद्री विशाल। सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की के वैज्ञानिकों ने 'जिज्ञासा कार्यक्रम' के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय रुड़की द्वारा आयोजित इन-सर्विस कोर्स में प्रतिभागिता करते स्नातकोत्तर शिक्षकों का ज्ञानवर्द्धन किया। इस श्रृंखला में सीबीआरआई, रुड़की के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने विषय-विशेष में व्याख्यान प्रस्तुत किये तथा विज्ञान क्षेत्र में सीएसआईआर और सीबीआरआई की नवीनतम तकनीकियों से भी रुबरू कराया।

'सीएसआईआर-सीबीआरआई एक वैज्ञानिक यात्रा' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए सीएसआईआर-सीबीआरआई के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं जिज्ञासा कार्यक्रम समन्वयक डा. अतुल कुमार अग्रवाल ने शिक्षकों को बताया कि वनस्पति से अंतरिक्ष तक, खाद्य से खनन तक, भवन निर्माण से भू-विज्ञान तक, स्वास्थ्य, रसायन, ऊर्जा आदि जीवन के हर पहलु, हर क्षेत्र के उत्थान में सीएसआईआर ने अपना योगदान दिया। इसी दिशा में जीवन के तीन मूलभूत आवश्यकताओं में से एक आवास के क्षेत्र में सीबीआरआई नित नवीन तकनीकों का विकास करने में अग्रसर है। संस्थान नवीनतम एवं पर्यावरण अनुकूल भवन निर्माण सामग्रियों के साथ-साथ, अपशिष्ट नियंत्रण भवन कीट एवं कवक, नैनो प्रौद्योगिकी, आपदा पूर्व और पश्चात् जोखिम न्यूनीकरण, भवन निर्माण हेतु दिशा निर्देश एवं मानदंड, ऊर्जा कुशल इमारतें, भवन निरीक्षण और पुनर्वास, विरासत संरचनाओं का अध्ययन, आदि भवन निर्माण के प्रत्येक क्षेत्र में अपना योगदान दे रहा है। सीएसआईआर सिम्फर धनबाद के रुड़की स्थानीय केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर.डी. द्विवेदी ने 'सुरंग अभियांत्रिकी' विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि सुरंग मंजिल तक की दूरी काम कर, ईंधन और कार्बन उत्सर्जन काम करती है तथा मौसम और आपदाओं के कारण उत्पन्न पथ अपक्षय तथा अवरोधों से बचाती है। उन्होंने हाल ही में उद्घाटन की गयी भारत की सबसे लम्बी सड़क सुरंग- जम्मू- कश्मीर स्थित चेनानी- नाशरी सुरंग के विषय में विस्तृत जानकारी दी। यह सुरंग चेनानी और नाशरी के 42 किमी लम्बी दूरी को काम कर मात्र 9 किमी कर देती है। इसमें मुख्य सुरंग में नियमित अंतराल पर आपातकालीन स्थिति में त्वरित और सुरक्षित निकास हेतु आपातकालीन मार्ग भी प्रदान किये गए है। सीबीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस. सरकार ने 'आपदा न्यूनीकरण और प्रबंधन' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए प्राकृतिक आपदाओं और सीबीआरआई द्वारा विकसित आपदा पीड़ितों के लिए त्वरित आश्रयों के विषय में विस्तृत जानकारी दी। सीबीआरआई के वैज्ञानिक ताबिश आलम ने 'सौर एवं उष्ण ऊर्जा संग्राहक' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बिजली उत्पन्न करने में इनके महत्त्व के बारे में बताया। निदेशक डॉ. एन. गोपाल कृष्णन ने शिक्षकों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रतिभागियों ने सीबीआरआई की समृद्ध प्रयोगशालाओं- रूरल पार्क, अग्नि अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान प्रौद्योगिकी भवन दक्षता आदि का दौरा किया तथा संस्थान के वैज्ञानिकों से वार्तालाप कर संशय दूर किया। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय देहरादून, जम्मू, लखनऊ, भोपाल, चंडीगढ़, तथा जयपुर क्षेत्र के लगभग 40 से अधिक भौतिक विज्ञान के स्नातकोत्तर शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. अतुल अग्रवाल, डॉ. आभा मित्तल, डॉ. इन्दर त्यागी, दिलशाद, पलक गोयल आदि मौजूद रहे।

Hindustan

Dated: 29-05-2018 Page: 8

E-link: ://epaper.livehindustan.com/epaperimages/29052018/29052018-RRK-DDN-10.

भौतिक विज्ञान का प्रशिक्षण दिया

रुड़की | हमारे संवाददाता

शिविर

- केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में 12 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण शुरू
- देश के चार संभागों से लगभग 40 शिक्षकों ने लिया हिस्सा

ज्ञान के बारे में एक बात कही जा सकती है कि यह समय के साथ बदलने वाली चीज है। किसी क्षेत्र विशेष में होने वाले शोध लगातार सामने आते हैं। जिसके अनुसार हमें खुद को अपडेट करना होता है।

यह बात प्राचार्य विपिन कुमार त्यागी ने केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में भौतिक विज्ञान में परास्नातक शिक्षकों के लिए 12 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण शिविर के प्रथम चरण का शुभारंभ अवसर पर कही। प्रशिक्षण में प्रतिभाग लेने देश के चार संभागों जम्मू, लखनऊ, जयपुर और देहरादून से लगभग 40 शिक्षक आए। प्रशिक्षण के इन 12 दिनों में बच्चों की समस्याओं को किस तरह सुलझाया जाए, कोड ऑफ कंडक्ट, एलटीसी, कॉर्पोरल पनिशमेंट इत्यादि के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। प्राचार्य विपिन कुमार त्यागी ने शिक्षकों को न केवल भौतिक विज्ञान, बल्कि कई विषयों में जानकारी देकर अन्य तथ्यों के बारे में भी अवगत कराया। भारतीय भवन अनुसंधान संसथान के निर्देशक एन गोपालकृष्णन ने बताया कि जीवन में विज्ञान का क्या महत्व विषय पर विचार रखे। मौके पर पीसी थपलियाल, हरेन्द्र कुमार, एसके दीक्षित, मीनाक्षी सिंह, पूनम कुमारी, शिवांगी जैन आदि मौजूद रहे।